सेवा में,

माननीय मुख्यमंत्री जी,
सादर प्रणाम।

महोदय,

मैं कुमारी मनीषा क० गाँ० आ० बा० वि० खजुरी कोराँव इलाहाबाद में कक्षा 8 की छात्रा हूँ। श्रीमान जी मैं आपका ध्यान बाल विवाह के प्रति आकर्षि कराना चाहती हूँ। मेरे विद्यालय में आरोहिणी कक्षा चला जाती है।जिससे हमें बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानका मिली।यह सही है कि हमारे माता-पिता आर्थिक तंगी एवं समाज के डर के कारण बाल विवाह कर देते हैं ज्यादा पढ़ा लिखाते नहीं हैं।जिसके कारण बालिकाओं की शिक्षा स्वा एवं जीवन बर्बाद हो रहा है।

अतः महोदय से विनम्र निवेद है कि आगे की शिक्षा जारी रखने के लिए क० गाँ० अ को माध्यमिक (आवासीय) विद्यालय स्तर तक करने क कृपा करें।जिससे हमारी आगे की पढ़ायी चलती रहे बा विवाह रोकने के लिए कड़े-से कड़े नियम बनायें जिससे समाज में बाल विवाह गुलामी है,प्रथा जड़ से मिट जाये।

धन्यवाद

सादर

आपकी

नाम-कुमारी मनीषा, कक्षा 8
क० गाँ० आ० बा० वि० खजुरी कोराँव
इलाहाबाद